भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A. 2 years)	सत्रार्द्ध : चतुर्थ Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तु			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 45	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(EESC) वास्तु परामर्शकेन्द्र सञ्चालन	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) {Core Course/ VAC(EESC)}	विषय VAC (EESC)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से एकवार्षिक स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध/द्विवार्षिक स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण तथा वास्तु विषय में प्रमाणपत्र/पत्रोपाधि/उपाधि प्राप्त छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तु के प्रायोगिक नियमों को जानने में सक्षम होंगें । 2. वास्तु के विन्यास विधान को प्रयोग कर सकेंगे । 3. प्रायोगिक वास्तु के क्षेत्र में होने वाली समस्याओं व उनके समाधान से अवगत होंगे। 4. वास्तु दोषों का उपचार करने में समर्थ होंगे। 5. वास्तु सम्बन्धी शास्त्रीय उपचारों को प्रयोग करने में समर्थ होंगे । 6. वास्तु परामर्शकेन्द्र सञ्चालित कर सकेंगे ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	2	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह एक कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 1

विभागाध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- तीस घण्टे (30 hours) L-T-P: 1-0-0		
इकाई (Unit)	**शीर्षक (Topics)**	**व्याख्यान संख्या** **No. of Lectures** **1 घण्टा** (1 Hour Each)
1	**वास्तु परिचय** 1. वास्तु शास्त्र का परिचय 2. वास्तु शास्त्र का महत्त्व 3. भूमि, भूखण्ड परीक्षण विधाओं का परिचय एवं विन्यास के सिद्धान्तों का परिचय **गतिविधियाँ** वास्तुशास्त्र विषय पर भाषण वास्तु का महत्त्व विषय पर निबन्धलेखन	**06**
2	**परामर्श विधान** 1. वास्तु परामर्श की सामाजिक आवश्यकता 2. वास्तु परामर्श की सामाजिक उपयोगिता 3. वास्तु निर्माण के नियम 4. वास्तु दोष एवं उपचार **गतिविधियाँ** वास्तु परामर्श की सामाजिक उपयोगिता विषय पर भाषण वास्तु निर्माण के नियम विषय पर निबन्धलेखन	**06**
3	**वास्तु निर्माण के सिद्धान्तों का परिचय** 1. पद विन्यास के नियम 2. पद देवता परिचय एवं स्थापना क्रम 3. पद विन्यास से मानचित्रों का आकलन 4. वास्तु के विविध स्वरूपों में विन्यास के नियम **गतिविधियाँ** पद विन्यास विषय पर निबन्धलेखन मानचित्रों का आकलन कर फल निर्धारण एवं प्रस्तुतिकरण	**06**
4	**दोषोपचार एवं शान्तिविधान** 1. वास्तु परामर्श एवम् ज्योतिष 2. विविध शान्तिविधान 3. पद देवता सम्बन्धी दान एवं जप 4. विविध वास्तु दोषों का उपचार	**06**

विभागाध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ वास्तुशान्ति विधान विषय पर निबन्धलेखन पद देवताओं की शान्ति दानपदार्थ तथा मन्त्रों पर आधारित सारिणीनिर्माण	
5	**परामर्शकेन्द्र प्रबन्धन** 1. परामर्शकेन्द्र स्थापना का उद्देश्य 2. कार्यालय व्यवस्थापन 3. वेबसाइट प्रबन्धन 4. प्रचार-प्रसार व्यवस्था 5. प्रचार में सोशलमीडिया प्लेटफार्म्स की उपयोगिता 6. पञ्जीकरण, समय तथा शुल्क प्रबन्धन **गतिविधियाँ** कार्यालय व्यवस्थापन विषय पर निबन्ध लेखन प्रचार में सोशलमीडिया प्लेटफार्म्स की उपयोगिता विषय पर भाषण	**06**

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :वास्तु परामर्श, वास्तुविन्यास, वास्तु शान्तिविधान

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. मयमत , टीकाकार - शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रासादमंडन , टीकाकार - श्री कृष्ण जुगनू , परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विष्णुधर्मोत्तर पुराण- टीकाकार आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
4. राजवल्लभमंडन , टीकाकार - श्री कृष्ण जुगनू , परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. वास्तुमंडन , टीकाकार - श्री कृष्ण जुगनू , परिमल प्रकाशन , नई दिल्ली
6. वास्तुशास्त्र परिचय, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
7. वास्तुविन्यास विधान, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

विभागाध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

2. learnsanskrit.cc/index **3.sanskrit.samskrutam.com** **4.swayam.gov.in**		
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क** (University Exam) (UE): 100 Marks		
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समयः** (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ - पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : 5 Very Short Questions अनुभाग ब - पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स - पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C)** : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	100
Any remarks/ suggestions:		

विभागाध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)